प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 09 फरवरी, 2017 को चिकित्सा विश्वविद्यालय के आर्थोपेडिक सर्जरी विभाग का 65 वां स्थापना दिवस समारोह बड़े ही हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वयस्क एवं बुजूर्गो के पीठ दर्द के विषय में ''9वां डॉ0 ए0एन0 श्रीवास्तव व्याख्यान,'' डॉ0 दिलीप के0 सेन गुप्ता द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो0 रवि कांत जी, प्रो0 विनीता दास, प्रो0 जी0के0 सिंह, प्रो0 यू0के0 जैन, प्रो0 ओ0पी0 सिंह, प्रो0 आर0एन0 श्रीवास्तव सहित चिकित्सा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष सहित चिकित्सा शिक्षक और छात्र–छात्राएं और कर्मचारी गणं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रो0 जी0के0 सिंह, विभागाध्यक्ष आर्थोपेडिक सर्जरी द्वारा विभाग का वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया। प्रो0 सिंह ने बताया कि प्रथम बार पीडियाट्रिक आर्थोपेडिक में फेलोशिप की शुरूआत कि गई। विभाग द्वारा ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट छात्र–छात्राओं को उत्कृष्ठ प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। विभाग द्वारा यू ट्यूब पर बड़ी मात्रा में व्याख्यान को अपलोड किया जाता रहा है जिससे इसके द्वारा छात्रों को सीखने की सुविधा मिल सके।

कार्यक्रम में प्रो0 रवि कांत जी ने कहा कि हमें शहर में संचालित होने वाले प्राइवेट अस्पताल और अन्य सरकारी अस्पतालो जैसा कार्य नहीं करना है हमे आर्थोपेडिक सर्जरी में विशेषज्ञ बनाने है जैसे कंधो की शल्य क्रिया के विशेषज्ञ, जोड़ो की शल्य क्रिया के विशेषज्ञ, कमर की शल्य क्रिया के विशेषज्ञ तब जाके हमे पश्चिमी देशों के सुपर स्पेशलिस्ट संस्थानो से मुकाबला कर सकेंगे। हमे इस तरह से कार्य करना है कि किसी को कमर की सर्जरी कराने विदेश न जाना पड़े। हमारे यहां ही विश्व स्तर की सुविधा और विशेषज्ञ मौजूद हो। हमे स्पोर्ट्स मेडिसिन के उपर भी ध्यान देना होगा। अर्थोपेडिक सर्जरी में हमे अपनी क्षमता में सुधार और गुणवत्ता लानी होगी। इसके लिए हमें पैसो की जरूरत पड़ेगी इस लिए हमे विभिन्न कंपनियो के सीएसआर फण्ड को लाने के लिए प्रयास करना पड़ेगा विभिन्न प्राइवेट सेक्टरो का सहयोग लेना पड़ेगा जिससे हम विश्व स्तर की विशिष्टताओं को यहां ला सके।

इस अवसर पर विभाग में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले डॉ0 अकांक्ष, जेआर थर्ड, डॉ0 अभिक राय, जेआर सेकण्ड, डॉ0 परवेज काजी जेआर फर्स्ट, सिस्टर राधा जैयसवाल, नर्स अमिता गुप्ता, सिक अटेण्डेंट गंगा प्रसाद, सफाई कर्मचारी श्रीमती तुलसी देवी को पुरस्कार भी दिया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रो0 अजय सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।